न्यूज डायरी

लद्दाख सीमा पर अपने सैनिकों को नियंत्रण में रखे भारतः चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख के गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान शहीद और कई घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि इस झड़प में चीन की सेना को भी भारी नुकसान पहुंचा है और उसके करीब 40 सैनिक हताहत हुए हैं। भारत के सैनिकों की हत्या करने वाले चीन ने उल्टे भारतीय सैनिकों पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। चीनी वध्दिेश मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा है कि भारत सीमा पर अपने सैनिकों पर नियंत्रण रखे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ष्ता झाओ लिजिन ने कहा, भारतीय सैनिकों की कार्रवाई की वजह से दोनों ही पक्षों के बीच गंभीर शारीरिक संघर्ष हुआ। चीन ने भारतीय पक्ष से इस पर आपत्ति जताई है। हमने भारत से अनुरोध किया है कि वह अपने सैनिकों पर सीमा को पार करने पर कड़ाई से नियंत्रण रखे या एकतरफा कार्रवाई करने से बचे जो सीमा की स्थिति को और ज्यादा जटिल बना सकता है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले 1,50,000 के पार, मृतकों की संख्या 2,975 हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले 1,50,000 के पार चले गए हैं, जबकि 136 लोगों की मौत के साथ ही मृतकों की संख्या 2,975 पर पहुंच गई है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि कोविड–19 के लिए अब तक 950,782 लोगों की जांच की गई है जिनमें से 28,117 जांच पिछले 24 घंटों में की गई।मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटों में 5,839 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इसके साथ ही संक्रमितों की कुल संख्या 154,760 हो गई है।उसने कहा कि देश में एक दिन में कोविड–19 से रिकॉर्ड 136 लोगों की मौत हुई है। इस संक्रामक रोग से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,975 हो गई है। पंजाब में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 58,239 मामले सामने आए। इसके बाद सिंध में 57,868, खैबर–पख्तूनख्वा में 19,107, इस्लामाबाद में 9,242, बलूचिस्तान में 8,437, गिलगित–बाल्तिस्तान में 1,164 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 703 लोग संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक 58,437 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

नापाक हरकत के बाद चीनी मीडिया ने दिखाया हाइड्रोजन बम का डर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख में 20 भारतीय सैनिकों की निर्मम हत्या के बाद अब चीन ने हाइड्रोजन बम का डर दिखाना शुरू कर दिया है। दुनिया में शांति का ढोंग रचने वाले चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने वर्ष 1967 में हाइड्रोजन बम के परीक्षण का वीडियो पोस्ट किया है। चीनी अखबार ने दावा किया कि ये हाइड्रोजन बम आत्मरक्षा के लिए हैं और उनका देश परमाणु हथियारों के पहले इस्ध्तेमाल नहीं करने के सध्द्धिांत पर कायम है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, आज ही के दिन वर्ष 1967 में चीन ने अपने पहले हाइड्रोजन बम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। चीन निष्ठापूर्वक आत्ममरक्षा की परमाणु रणनीति पर काम करता है और परमाण हथियारों के पहले इस्तेमाल नहीं करने की नीति पर कायम है। चीन के सरकारी अखबार ने हाइड्रोजन बम के परीक्षण का वीडियो ऐसे समय पर पोस्ट किया है जब भारत और अमेरिका के साथ उसका तनाव चरम पर है।

अंतर–कोरियाई सहयोग स्थलों पर सैनिकों की पुनः तैनाती करेगा उत्तर कोरिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया ने दो साल पहले दक्षिण कोरिया के साथ हुए सुलह संबंधी ऐतिहासिक समझौतों को समाप्त करते हुए बुधवार को कहा कि वह अब बंद हो चुके अंतर–कोरियाई सहयोग स्थलों पर सैनिकों की फिर से तैनाती करेगा, गार्ड चौकियों को पुनरू स्थापित करेगा और अग्रिम इलाकों में सैन्य अभ्यास बहाल करेगा।इस घोषणा से एक दिन पहले उत्तर कोरिया ने अटकी पड़ी परमाणु कूटनीति के बीच अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के लिए अपना आक्रोश जताते हुए अंतर–कोरियाई संपर्क कार्यालय नष्ट कर दिया।

भारत–चीन सैन्य हिंसा पर अमेरिका की नजर

शांतिपूर्ण समाधान समर्थन करेगा अमेरिका

संवेदना

■शहीद सैनिकों के परिवारों से संवेदना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें टिकी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र के बाद अब अमेरिका ने शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद जताई है। अमेरिका के गृह विभाग ने हिंसा में शहीद हुई भारत के जवानों के परिवारों से संवेदना प्रकट की है। बता दें कि लद्दाख में हुई हिंसा में भारत के 20 जवान शहीद हो गए जबकि चीन के भी 43 सैनिक हताहत हुए हैं।

शांतिपूर्ण समाधान को समर्थन

ताजा हालात पर अमेरिका ने कहा है कि भारत और चीन दोनों ने पीछे हटने की इच्छा जाहिर की थी और हम मौजूदा हालात के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। 2 जून को टेलिफोन पर बातचीत के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

भारत–चीन सीमा के हालात पर चर्चा की थी। गृह विभाग के प्रवक्ता ने कहा, हम वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन की सेनाओं के हालात को मॉनिटर कर रहे हैं। हमें पता चला है कि भारतीय सेना ने अपने 20 जवान शहीद होने का ऐलान किया है, हम उनके परिवारों को सांत्वना देते हैं।

ट्रंप ने की थी मध्यस्थता की पेशकश

इससे पहले जब भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव गहरा रहा था तब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि अमेरिका मध्यस्थता के लिए इच्छुक भी है, तैयार भी और योग्य भी। हालांकि, भारत और चीन ने आपस में बातचीत कर यह सहमति कायम की थी कि लद्दाख में एलएसी के पास से अपनी–अपनी सेनाएं पीछे हटाई जाएंगी।

यूएन ने भी चिंता जताई

वहीं, अमेरिका से पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता एरी कनेको ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, श्भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हिंसा और मौत की खबरों पर हम चिंता प्रकट करते हैं और दोनों पक्षों से अधिकतम संयम बरतने का आग्रह करते हैं।श बॉर्डर के हालात देखते हुए खुद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ विपिन रावत और तीनों सशस्त्र सेनाओं के प्रमुखों के साथ बड़ी बैठक की है।

चीनी कम्युनिस्ट शासन के खिलाफ आगे आया ईयू

ब्रुसेल्स। पूर्वी लद्दाख में भारत–चीन सीमा विवाद के बीच यूरोपीय संघ के मुख्य राजनयिक ने यूरोप और अमेरिका के बीच वार्ता का आह्वान किया है। इसका मकसद चीन की कम्युनिस्ट शासन के खिलाफ दोनों पक्षों के बीच एक मत तैयार करना है। बैंकॉक पोस्ट के अनुसार यूरोपीय संघ के विदेशी मामलों के उच्च प्रतिनिधि जोसेप बोरेल ने कहा कि दोनों पक्षों के साझा मूल्यों और समान रुचियों के बचाव के लिए एक मंच पर आने की जरूरत है।

भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चुनावों में आसानी से जीतना तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संयुक्त राष्ट्र। भारत को बुधवार को सुरक्षा परिषद के चुनावों में आसान जीत मिलने की उम्मीद है, जिससे वह 2021–22 कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था का अस्थायी सदस्य बन जाएगा। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा अपने 75वें सत्र के लिए अध्यक्ष, सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों और आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के सदस्यों के लिए चुनाव कराएगी।

कोविड–19 से संबंधित पाबंदियों के कारण संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मतदान के विशेष इंतजाम किए गए हैं।भारत का अस्थायी सदस्य के तौर पर 15 देशों की सुरक्षा परिषद में शामिल होना लगभग तय है। भारत 2021–22 कार्यकाल के लिए एशिया–प्रशांत श्रेणी से अस्थायी सीट के लिए उम्मीदवार है।भारत की जीत इसलिए तय मानी जा रही है, क्योंकि वह समूह की इस इकलौती सीट के लिए एकमात्र उम्मीदवार है।

चीन और पाकिस्तान समेत 55 सदस्यीय एशिया–प्रशांत समूह ने पिछले साल जून में सर्वसम्मति से भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया था।महासभा हर साल दो वर्ष के कार्यकाल के लिए कुल 10 में से पांच अस्थायी सदस्यों का चुनाव करती है।ये 10 अस्थायी सीटें क्षेत्रीय आधार पर वितरित की जाती हैं।

दो साल बाद हुई पाक सेना की गुप्त बैठक?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत और चीन के बीच हिंसक झड़प के बाद पाकिस्तान ने भी अपने आयरन ब्रदर की मदद के लिए नापाक साजिश रचना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के मुख्यालय में करीब दो साल बाद तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने अहम बैठक की है। माना जा रहा है कि इस बैठक के जरिए पाकिस्तानी सेना ने भारत को संदेश देने की कोशिश की है। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में तीनों सेनाओं के प्रमुखों के बीच हुई इस बैठक में नियंत्रण रेखा और कश्ष्मीर के हालात पर चर्चा हुई। इस बैठक में पाकिस्तानी सेना के प्रमुख कमर जावेद बाजवा, नेवी चीफ जफर महमूद अब्बासी और वायुसेना प्रमुख मार्शल मुजाहिद अनवर खान शामिल थे।

लद्दाखः चीनी सेना ने माइंड गेम खेलना शुरू किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख के गलवान घाटी में 20 भारतीय सैनिकों की निर्मम हत्या के बाद अब चीनी सेना ने माइंड गेम खेलना शुरू कर दिया है। चीन की सेना पीएलए ने एक वीडियो जारी करके तेजी से सैन्ध्य ताकत जुटाने का प्रदर्शन किया है। इस अभ्यास वीडियो के जरिए पीएलए ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह बहुत तेजी से सीमा पर सैकड़ों की संख्या में सैन्ध्य वीकल और सैनिकों को पहुंचा सकता है।

चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने इस वीडियो को रीपोस्ट किया है जिसे चीनी सेना की एक वेबसाइट पर अपलोड किया गया था। इससे पहले

वीडियो जारी कर दिखाई अपनी सैन्य ताकत

गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद चीनी सेना ने एक बयान जारी करके भारत पर ही हमला करने का आरोप लगाया था। पीएलए ने 6 जून को हुई आम सहमति का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भारत अपनी बात पर कायम नहीं रहा। पीएलए ने गलवान वैली को अपना बताते हुए कहा, गलवान वैली पर हमेशा से ही चीन का कब्जा रहा है। पीएलए ने आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने 'जानबूझकर उकसाने वाले हमले किए' जिस कारण 'गंभीर संघर्ष हुआ और सैनिक हताहत हुए।'

पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच सोमवार को हुई झड़प पर पहली प्रतिक्रिया के तहत चीन की मीडिया ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की पश्चिमी थियेटर कमान के प्रवक्ता कर्नल झांग शुइली के हवाले से कहा, 'चीन की हमेशा से गलवान घाटी पर संप्रभुता रही है।' झांग ने दावा किया, 'भारतीय सैनिकों ने अपने वादे तोड़े और सोमवार को एक बार फिर गलवान घाटी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार किया और जानबूझकर उकसाने वाले हमले किए, जिससे गंभीर संघर्ष हुआ और सैनिक हताहत हुए।'

झांग ने कहा, 'भारत को सभी उकसावे वाली कार्रवाई रोक देनी चाहिए, चीनी पक्ष से बात करनी चाहिए और वार्ता के माध्यम से विवाद के समाधान के सही रास्ते पर लौटना चाहिए।'

बड़ा खतराः मास्क पहनने के बाद भी शरीर में घुस रहा कोरोना वायरस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस के कहर के बीच इस महामारी से बचाव के लिए पूरी दुनिया में मास्क और फेसशील्ड पहनने पर जोर दिया जा रहा है। इस बीच ताजा शोध में चेतावनी दी गई है कि मास्क पहनने और 3 फुट की दूरी रहने पर के बाद भी कोरोना वायरस शरीर में घुस जा रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अगर कोई कोरोना संक्रमित व्यक्ति लगातार खांस रहा है तो मास्क्ष पहनने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। साइप्रस के यूनिवर्सिटी ऑफ निकोसिया के वैज्ञानिकों ने बताया कि यह खुलासा चौकाने वाला है। उन्होंने मास्क पहनने के बाद भी 6 फुट की दूरी बनाए रखने की अपील की है। वैज्ञानिकों का यह अध्ययन ऐसे समय पर आया है जब दुनियाभर में उद्योगों की तरफ से सरकार पर दबाव डाला जा रहा है कि वे सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों में ढील दें।

इस शोध के सह लेखक दिमित्रिस डिकाकिस ने कहा कि केवल मास्क्ष कोरोना वायरस से संक्रमित होने से नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ ड्रापलेट मास्क शील्ड के अंदर घुस जाने में सक्षम हो जाते हैं।